भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 3824

गुरूवार, 3 अप्रैल, 2025/13 चैत्र, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

ओडिशा में पर्यटन अवसंरचना का विकास

3824 श्री शुभाशीष खुंटिया:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ओडिशा में विमानपत्तनों, सड़कों और होटलों सहित पर्यटन अवसंरचना विकास परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान ओडिशा में पर्यटन स्थलों में अवसंरचना सुधार के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है;

(ग) राज्य में दूरदराज के पर्यटन स्थलों में अवसंरचना विकसित करने में क्या चुनौतियां आई हैं; और

(घ) पर्यटन अवसंरचना में सुधार के लिए ओडिशा सरकार के साथ सहयोग करने की मंत्रालय की क्या योजनाएं हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन (एसडी)' और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से ओडिशा राज्य सहित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के प्रयासों को संपूरित करता है।

योजना के दिशा-निर्देशों में पर्यटन स्थलों पर अन्य बातों के साथ-साथ पर्यटक सुविधा केंद्र, पर्यटक सूचना केंद्र, लॉग हट्स, एम्फीथिएटर, फुट-ओवर ब्रिज, साइनेज, सीसीटीवी, अंतिम छोर तक सड़क संपर्क, अग्रभाग की प्रकाश व्यवस्था, मूलभूत सुविधाएं जैसे शौचालय, कूड़ेदान, पेयजल सुविधाएं, जल निकासी और अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाएं और अन्य स्थल विकास कार्य जैसे बेंच, भू-दृश्य निर्माण, फलोरिंग, रेलिंग आदि के विकास का प्रावधान किया गया है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय पर्यटन स्थलों से जुड़े मार्गों और विमान-यात्रा संपर्क में सुधार के लिए सड़क परिवहन मंत्रालय और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ मिलकर काम करता है।

आरसीएस उड़ान के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के साथ सहयोग किया और चिह्नित 53 पर्यटन मार्गों के लिए व्यवहार्यता अंतर निधि (वीजीएफ) राशि साझा की।

भारत सरकार ने प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों के विकास के लिए पूंजी निवेश हेतु राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) से संबंधित दिशानिर्देशों के तहत ओडिशा में दो परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

पर्यटन मंत्रालय की उपर्युक्त योजनाओं के तहत ओडिशा राज्य के लिए स्वीकृत धनराशि का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हुए, चुनौतियों पर काबू पाने और दूरस्थ पर्यटन स्थलों की पूरी क्षमता का उपयोग करने, यात्रियों की पहुंच को सुलभ बनाने और आकर्षक बनाने के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों, स्थानीय अधिकारियों और हितधारकों के साथ मिलकर परस्पर समन्वय से कार्य करता है।

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से समय-समय पर प्रस्ताव प्राप्त होते हैं। इन परियोजनाओं को निर्धारित प्रावधानों के अनुपालन और धन की उपलब्धता के आधार पर निधि प्रदान की जाती है।

*****

अनुबंध

श्री शुभाशीष खुंटिया द्वारा ओडिशा में पर्यटन अवसंरचना का विकास के संबंध में दिनांक 03.04.2025 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 3824 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

(i) ओडिशा राज्य में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाएं निम्नानुसार हैं:

(राशि करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**परिपथ/स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**
1.	तटीय परिपथ 2016-17	गोपालपुर, बरकुल, सतपाड़ा और तम्पारा का विकास	70.82

(ii) ओडिशा राज्य में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाएं निम्नानुसार हैं:

(राशि करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**अनुमोदित लागत**
1.	पुरी में अवसंरचना का विकास	2014-15	50.00

(iii) 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई योजना) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास' योजना के तहत ओडिशा राज्य में स्वीकृत परियोजनाएं निम्नानुसार हैं:

(राशि करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि**
1.	हीराकुंड का विकास	2024-25	99.90
2.	सतकोसिया का विकास	2024-25	99.99

*****